U.G. 4th Semester Examination - 2022

SANSKRIT

[PROGRAMME]

Course Code : SANS-G-CC-T-4

Full Marks : 60 Time : $2\frac{1}{2}$ Hours

The figures in the right-hand margin indicate marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Answer any **ten** questions: 2×10=20

   যে-কোনো **দশটি** প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

   a) Who composed 'लघुसिद्धान्तकौमुदी'? What is meant by 'अच्'?

   'লঘুসিদ্ধান্তকৌমুদী' কে রচনা করেছেন? 'অচ্' কি?

   b) How many सूत्र-s are in 'माहेश्वर सूत्र'? What is the sūtra for 'प्रत्याहार'?

   'মাহেশ্বর সূত্রে' কতগুলি সূত্র আছে? 'প্রত্যাহার' গঠনের সূত্রটি কি?

   c) What is the meaning of the word 'आस्य' in 'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्'?

   'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्'—সূত্রে 'আস্য' শব্দের অর্থ কি?

   d) How many 'बाह्यप्रयत्न'-s are in sanskrit grammar? What are they?

   সংস্কৃত ব্যাকরণে বাহ্যপ্রযত্ন কতগুলি? কি কি?

   e) What is 'उपपदविभक्ति'?

   'উপপদবিভক্তি' কী?

   f) What is 'इत्'?

   'ইত্' কি?

   g) According to 'अष्टाध्यायी' what is 'संहिता'?

   'অষ্টাধ্যায়ী' অনুসারে 'সংহিতা' কাকে বলে?

   h) Which alphabets are called as 'वृद्धि'?

   কোন্ কোন্ বর্ণগুলিকে 'বৃদ্ধি' বলে?

   i) How many types of 'सूत्रs' are there?

   'সূত্র' কয় প্রকার ও কি কি?

   j) What is the meaning of शेष in षष्ठी शेषे?

   'ষষ্ঠী শেষে' সূত্রে 'শেষ' শব্দের অর্থ কি?

   k) What is the meaning of 'साधक' in 'साधकतमं करणम्'?

   'साधकतमं करणम्' সূত্রে 'সাধক' পদের অর্থ কি?

   l) 'रमा <u>मात्रा</u> सह आगच्छति' account for case-ending in the underlined word.

   'रमा <u>मात्रा</u> सह आगच्छति'—রেখাঙ্কিত পদে বিভক্তি নির্ণয় কর।

[Turn Over]

m) Join it: 'यण् + अचि'।

সন্ধি কর ঃ 'यण् + अचि'।

n) What does 'पद' mean?

'পদ' বলতে কি বোঝায়?

o) Give an example of the first case-ending relating to describing amount.

পরিমাণার্থে প্রথমা বিভক্তির একটি উদাহরণ দাও।

2. Answer any **four** questions: 5×4=20

যে-কোনো **চারটি** প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

a) Disjoin the euphonic combination (any **five**):

সন্ধিবিচ্ছেদ কর (যে-কোনো **পাঁচটি**) ঃ

तिङन्तम्, वचनोऽनुनासिक:, गायक: हलीषा, नीरव:, प्रेजते, सहेता, संयुक्तेऽ प्रधाने, ब्रह्मर्षि:

b) Join any **five** of the following:

সন্ধি কর ঃ (যে-কোনো **পাঁচটি**)

यदि + अपि, उप + एहि, प्राक् + एव, नौ + इक:, तुल्य + आस्य, पतन् + तरु:, गो + अक्ष, नि: + रोग:

c) Justify the case-ending of the following underlined words (any **three**):

নিম্নলিখিত রেখাঙ্কিত পদগুলির যে-কোনো **তিনটির** বিভক্তি নির্ণয় কর ঃ

क) विद्यालयं निकषा उद्यानम्।

ख) लक्ष्म्या सेचितो हरि:।

ग) रामेण रावण: हत:।

घ) शोकात् क्रन्दति वृद्ध:।

ङ) मातु: स्मरति।

च) समागते वसन्ते कोकिला: कूजन्ति।

d) Explain and illustrate: षष्ठी शेषे or साधकतमं करणम्।

ব্যাখ্যা কর ঃ 'ষষ্ঠী শেষে' অথবা 'সাধকতমং করণম্'।

e) Explain and illustrate: हलन्त्यम् **or** अणुदित् सवर्णस्यचाप्रत्यय:।

ব্যাখ্যা কর ঃ हलन्त्यम् **অথবা** अणुदित् सवर्णस्यचाप्रत्यय:।

f) What is meant by the words प्लुत and प्रगृह्य?

প্লুত এবং প্রগৃহ্য বলতে কী বোঝায়?

g) Describe different types of अधिकरण।

অধিকরণের প্রকারগুলি বিবরণ দাও।

3. Answer any **two** questions: 10×2=20

যে-কোনো **দুটি** প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ

a) Explain: 'पूर्वत्रासिद्धम्'।

ব্যাখ্যা কর ঃ 'पूर्वत्रासिद्धम्'।

b) Discuss the sanskrit 'सन्धि' and its types.

সংস্কৃত সন্ধি ও তার প্রকারভেদ সম্পর্কে সংক্ষিপ্ত আলোচনা কর।

c) Explain the sūtra 'प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा' with example along with commentary of 'वरदराजाचार्य'।

বরদরাজাচার্যের বৃত্তি সহযোগে উদাহরণ দিয়ে 'प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा' সূত্রটি ব্যাখ্যা কর।

d) Explain the sutra 'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्' in the view of 'वरदराजाचार्य'।

বরদরাজাচার্যের দৃষ্টিতে 'तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्' সূত্রের যথাযথ ব্যাখ্যা দাও।

———————